CRLC - 02

December - Examination 2015

CRLC Examination

राजस्थानी साहित्य

Paper - CRLC - 02

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

निर्देश : औ पेपर खण्ड 'अ', 'ब' अर 'स' में बंट्योड़ौ है। खण्ड 'अ' में साव छोटा सवाल, खण्ड 'ब' में छोटा सवाल अर खण्ड 'स' में मोटा (निबन्धात्मक) सवाल दियौड़ा है। हरेक खण्ड रै आगै दियौड़ा निर्देशां मुजब आपरा पड़ूत्तर मांडौ।

(खण्ड – अ) 10 x 2 = 20

(सभी प्रश्न करना अनिवार्य है)

नोट : इण खण्ड में दियौड़ा सगळा सवालो रा पड़ूत्तर देवणा जरूरी है। आपरी उत्तर सीमा 30 सवदां में हुरणी चाईजै। हरेक सवाल 2 अंकां रौ है।

1) (i) 'हरजस' रौ कांई अरथ हुवै

(ii) लोकदेवता रामदेवजी रौ जलम कठै हुयौ?

(iii) संत चरणदास किण पंथ री थरपणा करी।

(iv) 'वीर सतसई' री रचना कुण करी?

(v) 'धरती धोरां री' कविता रा रचयिता कवि कुण है?

(vi) शब्द शक्ति कितणै भांत री हुवै?

(vii) 'तूंवेरी हू है' रै चरणां री मात्रावां रौ उल्लेख करौ।

(viii) 'गोरबंद' सूं आप कांई अरथ करौ?

(ix) 'पीठी' लोकगीत कद गायौ जावै?

(x) 'चेतावणी रा चूंगटिया' किण कवि री प्रसिद्ध रचना है?

(खण्ड – ब) 4 x 10 = 40

(कोई भी चार प्रश्न करना अनिवार्य है)

नोट : इण खंड में आठ में सूं किणी चार सवालां रा जवाब आपनै 200 सबदां री सींव में देवणा है। हरेक सवाल 10 अंक रौ है।

2) आदिकालीन राजस्थानी जैन साहित्य माथै टिप्पणी लिखौ।

3) मध्यकालीन कवयित्री मीराबाई रै व्यक्तित्व री संक्षिप्त जाणकारी करावौ।

4) नाथ सम्प्रदाय सूं जुड़ियौड़ी जाणकारी उजागर करौ।

5) विजयदान देथा 'बिज्जी' रौ रचनाकर्म उजागर करौ।

6) 'सिंणगार रस' बाबत आपरी जाणकारी रौ खुलासौ करौ।

7) 'घुड़लै' रा गीतां माथै आपरी जाणकारी उजागर करौ।

8) 'हुंकारा' अर 'द्वोगां' सूं आप कांई समझौ? उदाहरणां साथै स्पष्ट करौ।

9) संस्कार सम्बन्धी लोकगीता सूं आप कांई समझौ? खुलासौ करौ।

(खण्ड – स) 20 x 2 = 40

(कोई भी दो प्रश्न करना अनिवार्य है)

नोट : इण खण्ड में सूं किणी दो सवालां रा पडूत्तर 500 सबदां री सींव में मांडौ। हरेक प्रश्न 20 अंक रौ है।

10) आदिकालीन राजस्थानी साहित्य री खास–खास रचनावां अर रचनाकारां बाबत विस्तार सूं विवेचना करौ।

11) मध्यकाल रा किणी दो चावा कवियां माथै टिप्पणी लिखौ:–

(अ) मीराबाई

(ब) राठौड़ पृथ्वीराज

(स) ईसरदास

(द) कृपाराम खिड़िया

12) शब्द शक्तियां रौ सामान्य परिचै करावता थकां इणारी विस्तार सूं विवेचना करौ।

13) राजस्थानी लोकगीतां रौ वर्गीकरण करता थकां त्यूंहारां रा गीतां नै उदाहरण साथै प्रस्तुत करौ।

———